

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : जून - २०२२

सत्र - २

विषय : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना (HC - 201)

दि.: ०६/०६/२०२२

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो १.३०

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।  
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय दीजिए ।
- प्र. २ उदात्त के अंतरंग और बहिरंग तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ३ यथार्थ का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ४ आलोचना की विभिन्न प्रणालियों पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ५ प्रतीकवाद का महत्त्व एवं सीमाएँ स्पष्ट कीजिए ।
- प्र. ६ क्रोचे की कलाविषयक धारणाओं पर प्रकाश डालिए ।
- प्र. ७ रिचर्डस् के संप्रेषण सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।
- प्र. ८ अभिव्यंजना और कला के संबंध को स्पष्ट कीजिए ।
- प्र. ९ आलोचक के गुणों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) अंतःप्रज्ञा और अभिव्यंजना
  - २) बिंब और प्रतीक की तुलना
  - ३) मनोविश्लेषणवादी यथार्थवाद
  - ४) निर्वैयक्तिकता की धारणा और साधारणीकरण